

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

90143 - वह एक या दो दिन या उससे अधिक समय तक नमाज़ छोड़ देता है

प्रश्न

कभी-कभी शैतान मुझे हस्तमैथुन करने के लिए बहकाता है, जो मेरे लिए पाँच समय की नमाज़ों को, परिस्थितियों के अनुसार, एक या दो दिन या उससे अधिक या कम समय तक छोड़ने का कारण बनता है। ऐसी स्थिति में, मुझे क्या करना चाहिए? क्या मुझे उन छोड़ी गई अनिवार्य नमाज़ों को दोहराना होगा? या मैं उनका परायश्चित्त करने के लिए नफ़ल नमाज़ें पढ़ सकता हूँ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

आपको उस घृणित आदत को छोड़ने में जल्दी करना चाहिए, जो गरिमा और शिष्टता के विपरीत है। प्रश्न संख्या : (329) के उत्तर में इसके निषिद्ध होने के प्रमाणों का उल्लेख किया जा चुका है।

आपके लिए नमाज़ों को छोड़ने से तौबा (पश्चाताप) करना अनिवार्य है। क्योंकि नमाज़ का छोड़ना एक बहुत ही गंभीर एवं घोर पाप है। बल्कि बहुत से विद्वानों का मानना है कि यह कुफ़्र (अधर्म) है।

तौबा (पश्चाताप) में : पाप को छोड़ना, जो कुछ उसने किया है उस पर पछतावा करना और उस हराम काम को दुबारा न करने का संकल्प करना शामिल है।

तथा आपसे जो नमाज़ें छूट गई हैं, उनकी क्षतिपूर्ति के लिए अधिक से अधिक नफ़ल नमाज़ें अदा करें। क्योंकि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया है : “निःसंदेह लोगों से क्रियामत के दिन उनके कामों में से सर्व प्रथम नमाज़ के बारे में प्रश्न किया जायेगा।” आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया : “हमारा महिमावान और सर्वशक्तिमान पालनहार अपने फरिश्तों से कहेगा - और वह सबसे बेहतर जानने वाला है - : “मेरे बंदे की नमाज़ को देखो, क्या उसने पूरी नमाज़ पढ़ी है या उसमें कमी की है ?” अगर वह मुकम्मल और परिपूर्ण है तो उसके लिए वह मुकम्मल नमाज़ लिखी जाएगी, और अगर उसने उसमें कुछ कमी की होगी, तो अल्लाह तआला फरमाएगा : “देखो क्या मेरे बंदे की कोई नफ़ल

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

नमाज़ है ?” यदि उसकी कोई नफ़ल नमाज़ होगी तो अल्लाह फरमाएगा : मेरे बंदे की फर्ज़ नमाज़ को उसकी नफ़ल नमाज़ से पूरा कर दो ।” फिर इसी तरीके से अन्य कामों का हिसाब लिया जाएगा ।” इसे अबू दाऊद ने (हदीस संख्या : 864) रिवायत किया है ।

हम अल्लाह से अपने लिए, आपके लिए और मुसलमानों के लिए, क्षमा, कल्याण और मामले में दृढ़ता का प्रश्न करते हैं ।

और अल्लाह तआला ही सबसे बेहतर जानता है ।